

दिनांक

25-11-22

पञ्चावली देवा हूँ। लकील वादी एवं स्वयं प्रीवादी
 इति नदी। लकील वादी एवं स्वयं इति वादी
 तीन वाद आवाज लकील गी। वागजुद
 प्रचना ली न्यायक्यम मे उल्लिखित नदी। अहः
 वादी ल वाद अहम दाजमी अहम पस्वीमे
 वादील लीमा जगती पञ्चावली फौजल मुमाल
 दील वाद लकील लकील ली वादील दफ्तार

11/2